an>

Title: Need to take measures to resolve the dispute between farmers and Defence department over the ownership of land in Kalyan Parliament Constituency of Maharashtra.

डॉ. श्रीकांत एकनाथ शिंदे (कल्याण) : आदरणीय मैडम स्पीकर, आज मैं बहुत ही महत्वपूर्ण विÂषय की तरफ इस सभागृह का ध्यान आकर्Âिषत करना चाहता हूं। जो विÂषय आज मैं यहां प्रस्तुत करने जा रहा हूं, वह किसानों से ताल्लुक रखता है। एक तरफ, हम खेती के क्षेत्र में बड़े पैमाने पर निवेश कर रहे हैं, इस वर्ष माननीय वित्त मंत्री जी ने जो बजट पेश किया था, उससे भी यह साफ जाहिर होता है कि खेती और किसानों का विकास एन.डी.ए. सरकार की प्राथमिकता है, उसके बावजूद आज ऐसे कई किसान हैं, जो अपनी जमीन बचाने के लिए झगड़ रहे हैं। ऐसा एक वाक्या मेरे चुनाव क्षेत्र के किसानों के साथ हो रहा है।

मेरे चुनाव क्षेत्र में एक जगह है, जो 'नेवाली' के नाम से जानी जाती है। वहां के किसानों की 1,676 एकड़ जमीन दूसरे महायुद्ध के दरम्यान ब्रिटिश गवर्नमेंट ने डिफेंस कॉर्डिनेशन डिपार्टमेंट के नोटिफिकैशन के जरिए और डिफेंस ऑफ इंडिया रूल्स के नियम 75(ए) के अनुसार आदेश पारित कर के रिक्विजिशन के तहत जमीन ली थी, उस नोटिफिकैशन में यह साफ लिखा था कि युद्ध समाप्ति के बाद छः महीने के भीतर वह जमीन फिर से किसानों को सौंपी जायेगी, लेकिन आज तक ऐसा नहीं हुआ। यह देश का बड़ा ही दुर्भाग्य है कि आज सात दशकों के बाद भी किसान अपने हक, अपनी जमीन के लिए लड़ रहे हैं और अपने ही सरकार के साथ उन्हें झगड़ना पड़ रहा है। विडम्बना यह है कि इन किसानों को बिना बताये इस जमीन का हस्तांतरण सरकार के एक विभाग से दूसरे विभाग में हो जाता है। पहले यह जमीन वायु सेना के कब्जे में थी, लेकिन अब कागजों के ऊपर किसानों को बिना बताये नेवी का नाम लगा दिया गया है। बीच में एयरपोर्ट एथॉरिटी ऑफ इंडिया ने भी इस पर दावा ठोका था। अब वहां नेवी कुछ काम शुरू करने की कोशिश में है, मगर गांव वालों और किसानों के विरोध को मद्देनजर रखते हुए, नेवी की कोशिश लगातार नाकाम हो रही है। हालत अब इतने बिगड़ चुके हैं कि लॉ एंड ऑर्डर की सिचुएशन निर्माण हो गई है। गांव वालों में बड़े पैमाने पर असंतोÂष है, गुस्सा है। नेवी के कर्मचारियों और गांव वालों में आये दिन अनबन हो रही है। वहां पुलिस को रोजाना कार्रवाई करनी पड़ रही है, इसलिए मैडम स्पीकर, मैं आपके माध्यम से रक्षा मंत्री जी से गुजारिश करता हूं कि इस मामले में जल्द से जल्द कोई उपाय निकाला जाये और किसानों को उनकी जमीन फिर से लौटा दी जाए। धन्यवाद।

माननीय अध्यक्ष : श्री गोपाल शेट्टी, श्री भैरों प्रसाद मिश्र, श्री अरविन्द सावंत, श्री श्रीरंग आप्पा बारणे, कुँवर पुÂष्पेन्द्र सिंह चन्देल और श्री कपिल मौरेश्वर पाटील को डॉ. श्रीकांत एकनाथ शिंदे द्वारा उठाए गए विÂषय के साथ संबद्ध करने की अनुमति प्रदान की जाती है।